एक नजर में

पुलिस विभाग द्वारा कुषाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम में नशामुक्ति सूचना शिविर आयोजित

मंदसौर। पुलिस विभाग द्वारा कुषाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम में नशामुक्ति सूचना शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना, वनमंडलाधिकारी श्री संजय रॉयखेरे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, चिकित्सक, विद्यार्थी एवं नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि आज जारी किए जा रहे हेल्पलाइन नंबर पर सूचना देकर नागरिक पुलिस प्रशासन का सहयोग करें तथा समाज को नशे और अवैध गतिविधियों से मुक्त बनाने में अपनी सहभागिता निभाएं। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना ने कहा कि यदि आसपास किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि संचालित हो रही हो तो उसकी सूचना हेल्पलाइन नंबर पर दें। पुलिस प्रशासन सदैव आमजन के साथ है और उनकी सुरक्षा एवं सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है। नशामुक्ति विशेषज्ञ डॉ. वंदना पाटीदार ने नशे से होने वाले दुष्परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज को किस प्रकार प्रभावित करता है। साथ ही उन्होंने लोगों से नशे की लत से जूझ रहे व्यक्तियों की सहायता करने तथा उन्हें उपचार के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान शासकीय सुंदरलाल पटवा चिकित्सा महाविद्यालय की टीम द्वारा नशामुक्ति का संदेश देते हुए नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। वहीं भावना लोहार ड्राइंग स्कूल की टीम द्वारा नशामुक्ति विषय पर आधारित पोस्टर प्रदर्शनी एवं रंगोली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य श्री महेश त्रिवेदी द्वारा नशामुक्ति पर आधारित गीत को लांच किया गया। कार्यक्रम का संचालन नगर पुलिस अधीक्षक जितेंद्र भास्कर ने किया तथा अंत में एसडीओपी श्रीमती कीर्ति बघेल ने आभार व्यक्त किया।

टीबी मुक्त भारत अभियांतर्गत ग्राम कुचड़ोद में आयोजित हुआ आयुष्मान आरोग्य शिविर

मन्दसौर। टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत 3 जून, बुधवार को ग्राम कुचड़ोद में आयुष्मान आरोग्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ ग्राम पंचायत कुचड़ोद के सरपंच श्री कारुलाल भील द्वारा किया गया। सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर श्री विजय नागोरे द्वारा गांव में निक्षय वाहन के माध्यम से चौपाल चर्चा की, टीबी के लक्षण, जांच,उपचार के बारे में जानकारी देकर स्क्रीनिंग करवाने के लिए प्रेरित किया। शिविर में 76 लोगों का पंजीयन कर वजन ,बीपी ,ब्लड शुगर , हीमोग्लोबिन की जांच की गई एवं चेस्ट एक्सरे किए गए। शिविर में मेडिकल ऑफिसर डॉ रजनीश डोडियार, आयुष मेडिकल ऑफिसर डॉ विशाखा जाट,लेब टेक्नीशियन कमलेश राव, सेक्टर सुपरवाइजर शकुंतला भटानिया, आशा सुपरवाइजर सीमा गर्ग, एएनएम यशोदा खड़ा, आशा कार्यकर्ता एवं आयुष विभाग के सभी स्वास्थ कार्यकर्ता उपस्थित थे। ग्राम पंचायत कुचड़ोद का सराहनीय सहयोग रहा।

जनसुरक्षा सर्वोपरि : जर्जर भवनों पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई

मंदसौर। आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने और संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने जिले में जर्जर एवं खतरनाक भवनों के विरुद्ध सख्त अभियान प्रारंभ किया है। इसी क्रम में नगर पालिका क्षेत्र के चिन्हित जर्जर भवनों को हटाने की कार्रवाई की गई। प्रशासन की इस पहल को नागरिक सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कार्रवाई के दौरान एसडीएम शुभम पाटीदार, तहसीलदार नीलेश पटेल, नायब तहसीलदार अभिषेक चौरसिया तथा नगर पालिका के कार्यपालन यंत्री धारवे की मौजूदगी में नगर पालिका, राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने आवश्यक कार्रवाई को अंजाम दिया।

प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि नगर पालिका द्वारा संबंधित भवन स्वामियों को पूर्व में नोटिस जारी कर भवनों की जर्जर स्थिति से अवगत कराया गया था तथा आवश्यक सुधार अथवा भवन हटाने के निर्देश दिए गए थे। निर्धारित समयावधि में कार्रवाई नहीं होने पर जनहित को प्राथमिकता देते हुए प्रशासन को हस्तक्षेप करना पड़ा।

बारिश के मौसम और तेज हवाओं के दौरान जर्जर भवनों के ढहने की आशंका बढ़ जाती है, जिससे राहगीरों, आसपास रहने वाले लोगों तथा संपत्तियों को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। ऐसे में जिला प्रशासन का यह अभियान संभावित दुर्घटनाओं को रोकने और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में प्रभावी पहल माना जा रहा है।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा जिले में स्थित अन्य जोखिमपूर्ण एवं जर्जर भवनों के विरुद्ध भी अभियान निरंतर जारी रहेगा।

प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि उनके भवन जर्जर अथवा खतरनाक स्थिति में हैं तो वे स्वयं आगे आकर उनकी मरम्मत या सुरक्षित निष्कासन की कार्रवाई करें। नागरिकों का सहयोग न केवल उनकी स्वयं की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा बल्कि पूरे शहर को दुर्घटनामुक्त और सुरक्षित बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सुरक्षित शहर के निर्माण में प्रशासन और नागरिकों की साझा जिम्मेदारी ही जनहित की सबसे बड़ी गारंटी है।

जेल केवल सजा का स्थान नहीं, बल्कि सुधार का केंद्र है : जेलर पीके सिंह

मंदसौर। जेल केवल सजा का स्थान नहीं, बल्कि सुधार का केंद्र है उक्त बात मंदसौर जिला जेल के जेलर पी.के.सिंह ने उपने सेवानिर्वत होने पर कही। संयुक्त बेरोजगार सेना के प्रदेश अध्यक्ष वकील बंजारा ने मंदसौर जिला जेल के जेलर पी.के. सिंह के सेवानिवृत्त होने पर उनका भव्य स्वागत एवं सम्मान किया।

इस अवसर पर आयोजित समारोह में सामाजिक कार्यकर्ताओं, अधिवक्ताओं एवं गणमान्य नागरिकों ने भी भाग लेकर उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर संबोधित करते हुए वकील बंजारा ने कहा कि पी.के.सिंह ने अपने कार्यकाल के दौरान मंदसौर जिला जेल को केवल दंड स्थल तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे एक आदर्श सुधार गृह के रूप में विकसित करने का सराहनीय कार्य किया। उन्होंने बंदियों के चरित्र निर्माण, पुनर्वास तथा सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिए उल्लेखनीय प्रयास किए। बंजारा ने कहा कि पी.के.सिंह ने जेल परिसर में मानवता, अनुशासन और हिंदू-मुस्लिम भाईचारे की भावना को मजबूत किया, जिससे कई बंदियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आए।

उन्होंने कहा कि समाज की मुख्यधारा से भटके लोगों को पुन: सही दिशा में लाने के लिए सुधारात्मक दृष्टिकोण आवश्यक है और इस दिशा में पी.के. सिंह का योगदान प्रेरणादायक रहा है। पी.के.सिंह ने पशुपतिनाथ नगरी मंदसौर के नागरिकों को संदेश देते हुए कहा कि जेल केवल सजा का स्थान नहीं, बल्कि सुधार का केंद्र है। पी.के.सिंह ने अपने कार्यों से यह सिद्ध किया है कि संवेदनशीलता, अनुशासन और भाईचारे के माध्यम से किसी भी व्यक्ति को समाज की मुख्यधारा में वापस लाया जा सकता है। समारोह के अंत में उपस्थितजनों ने पी.के.सिंह के स्वस्थ, सुखद एवं सफल सेवानिवृत्त जीवन की कामना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

राहुल गांधी एक व्यक्तित्व नहीं, विचारधारा हैं : हरीश चौधरी

मंदसौर। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा स्थानीय सिंधु महल में आयोजित मंडलम अध्यक्षों के दो दिवसीय संगठन सृजन प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। समापन सत्र को संबोधित करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता एवं मध्यप्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने कहा कि राहुल गांधी केवल एक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि एक विचारधारा हैं। कार्यकर्ताओं को कांग्रेस की मूल सोच और संगठन निर्माण में अपनी भूमिका को समझना होगा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए व्यक्ति विशेष के बजाय किसान, मजदूर और कांग्रेस के पक्ष में नारे लगने चाहिए। संगठन की मजबूती ही चुनावी सफलता का आधार है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अहंकार छोड़कर संगठन के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि एवं प्रदेश कांग्रेस के सह-प्रभारी संजय दत्त, पूर्व मंत्री प्रियव्रत सिंह, प्रशिक्षण विभाग के प्रभारी डॉ. महेंद्र जोशी, राष्ट्रीय प्रशिक्षक रजनीकांत एवं के. इनायत अली ने भी संगठन, संविधान और कांग्रेस के इतिहास पर अपने विचार रखे। सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश अध्यक्ष चंचलेश व्यास ने कार्यकर्ताओं को सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग की जानकारी दी।

एक नजर — दूध उत्पादन व पशुपालन को बढ़ावा देने विशेष शिविर लगाने के निर्देश

ग्रामीणों के बीच बैठीं कलेक्टर, रात्रि चौपाल में सुनी समस्याएं

मंदसौर। मल्हारगढ़ विकासखंड के आदर्श ग्राम बालागुड़ा में आयोजित रात्रि चौपाल में कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अनुकूल जैन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को टेक होम राशन का नियमित वितरण सुनिश्चित करने तथा कुपोषित बच्चों की पहचान कर उपचार की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीणों से बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया।

चौपाल में कलेक्टर ने पशुपालन विभाग एवं सहकारिता बैंक को ग्राम में दूध उत्पादन और पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त रूप से विशेष शिविर आयोजित करने तथा पशुपालकों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही इस विषय पर विशेष ग्राम सभा आयोजित करने को भी कहा। उन्होंने ग्राम पंचायत को स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ करने, कचरा संग्रहण वाहन की व्यवस्था करने तथा जैविक कचरे से खाद निर्माण को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। चौपाल में ग्रामीणों ने दूध का उचित मूल्य, बैंक ऋण, किसानों के प्रशिक्षण, विद्युत व्यवस्था, नाली निर्माण, अतिक्रमण हटाने, खाद उपलब्धता, किसान सम्मान निधि, एटीएम स्थापना, खेतों की फेंसिंग एवं अन्य स्थानीय समस्याओं से अवगत कराया। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को सभी मामलों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।

नीमच

एक नजर में

वर्षा ऋतु पूर्व सभी नालों का सफाई कार्य पूर्ण करें : बामनिया

नीमच। वर्षा ऋतु प्रारंभ होने में मात्र 15 दिवस शेष बचे हैं, वर्षा ऋतु प्रारंभ होने के पूर्व शहर के सभी नालो व जल भराव वाले क्षेत्रो की सफाई का कार्य पूर्ण कर लेवे ताकि कहीं भी जल भराव की स्थिति पैदा ना हो। उपरोक्त निर्देश नगर पालिका परिषद नीमच की मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती दुर्गा बामनिया ने बुधवार 3 जून को नगर पालिका कार्यालय स्थित सीएमओ कक्ष में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं स्वच्छता पर्यवेक्षको की बैठक में सफाई अमले को दिए। श्रीमती बामनिया ने स्वास्थ्य अधिकारी व स्वच्छता निरीक्षकों से नालों की सफाई हेतु विशेष रूप से गठित टीम द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी लेते हुए कहा कि नालो और नालियों की सफाई हेतु जो चार टीम गठित की गई है उन टीमों को सिर्फ नालों की सफाई के कार्य में लगाए और प्रतिदिन स्वास्थ्य अधिकारी एवं स्वच्छता निरीक्षक उनके द्वारा किए गए कार्य का निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। श्रीमती बामनिया ने स्वच्छता पर्यवेक्षकों से भी कहा कि बारिश के पूर्व का यह समय कार्य को लेकर हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण है और इस समय हमें अपने-अपने क्षेत्र में जल भराव वाले स्थानो व नालियों की सफाई की ओर विशेष रूप से ध्यान देकर वर्षा ऋतु प्रारंभ होने के पूर्व नालों व नालियों की साफ सफाई का कार्य पूर्ण करना है ताकि कहीं भी जल भराव की शिकायत प्राप्त न हो। साथ ही श्रीमती बामनिया ने स्वास्थ्य अमले को निर्देश दिए की बारिश के दौरान पूरी तरह अलर्ट रहे और जहां कहीं भी जल भराव की सूचना मिले तो तत्काल मौके पर पहुंचकर बारिश के पानी की निकासी का प्रबंध करें। बैठक में स्वास्थ्य अधिकारी श्री दिनेश टांक, स्वच्छता निरीक्षक श्री भेरूलाल अहीर, श्री भारत सिंह भारद्वाज, अविनाश घेघट, श्री गोपाल नरवाले व सभी स्वच्छता पर्यवेक्षक उपस्थित थे।

बारिश से किसानों की फसल भीगने के बाद मंडी प्रशासन सख्त, व्यापारियों को शेड खाली करने के निर्देश

मनासा। मंडी में बीते सोमवार को हुई अचानक बारिश के कारण किसानों द्वारा खुले में रखी गई उपज भीग गई थी। बाद मंडी प्रशासन हरकत में आया और मामले को गंभीरता से लेते हुए मंडी व्यापारियों को शेड खाली करने के निर्देश जारी किए हैं। मंडी प्रशासन ने व्यापारियों से कहा है कि वे दिनभर की खरीदी के बाद अपना अनाज तत्काल शेड से हटा लें, ताकि किसानों की उपज को सुरक्षित रखने के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध हो सके। प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि किसी व्यापारी द्वारा शेड में अनाज रखकर कब्जा बनाए रखा गया तो उसके विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 10 रुपये प्रति बोरी की दर से पेनल्टी वसूल की जाएगी। गौरतलब है कि बारिश के दौरान मंडी के शेड व्यापारियों के अनाज से भरे होने के कारण किसानों को अपनी उपज खुले में रखना पड़ी थी, जिससे बड़ी मात्रा में फसल भीग गई थी। किसानों ने इस व्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए शेड किसानों के लिए उपलब्ध कराने की मांग की थी।

पाइपलाइन के गड्ढे में गिरकर मेडिकल संचालक की मौत

▶ **जल निगम पर लापरवाही और साक्ष्य मिटाने का आरोप, करणी सैनिक बोले- कंपनी को ब्लैकलिस्ट करें**

नीमच। नीमच सिटी थाना क्षेत्र के जवासा-बोरदिया कला मार्ग पर जल निगम के गड्ढे में गिरने से 30 अप्रैल को मेडिकल संचालक रघुवीर सिंह की मौत हो गई थी। इस घटना के विरोध में करणी सेना परिवार, राजपूत समाज और सर्वसमाज ने कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने जल निगम के महाप्रबंधक धीरेंद्र बिजोलिया के उस प्रेस नोट पर कड़ा रोष जताया, जिसमें उन्होंने पुलिस जांच से पहले ही घटना को अज्ञात वाहन की टक्कर बता दिया था।

करणी सेना परिवार के जिलाध्यक्ष गिरिराज सिंह रूघनाथ ने आरोप लगाया कि जल निगम और कंस्ट्रक्शन कंपनी (डीबीएल) पिछले दो महीनों से पाइपलाइन के लिए मनमाने तरीके से गड्ढे खोद रही है।

सड़क पर खुले छोड़े गए पत्थरों के कारण रघुवीर सिंह के सिर में चोट लगी और उनकी मौत हो गई। जिलाध्यक्ष ने खुलासा किया कि लापरवाही छुपाने के लिए जल निगम ने स्थानीय लोगों के विरोध के बावजूद घटना के तुरंत बाद जेसीबी मशीन बुलवाकर गड्ढे को भरवा दिया।

पहले भी हो चुके हादसे- प्रदर्शनकारियों के अनुसार इस मार्ग पर लापरवाही के कारण यह पहली मौत नहीं है। इससे पूर्व जालीनेर में भी खटीक समाज की एक महिला की विभागीय लापरवाही से मौत हो चुकी है, जबकि अंबाड़ा निवासी एक व्यक्ति गंभीर हादसे के बाद कई दिनों तक आईसीयू में रहे थे। समाजजनों ने प्रशासन से ठेकेदारों और अधिकारियों की साठगांठ की निष्पक्ष जांच करने की मांग की है।

ठेकेदार पर मुकदमा और लाइसेंस निरस्त करने की मांग- सर्वसमाज ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर जल निगम के जिम्मेदार अधिकारियों और संबंधित ठेकेदार के खिलाफ लापरवाही व साक्ष्य मिटाने का मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। इसके साथ ही जनता की जान से खिलवाड़ करने वाली कंस्ट्रक्शन कंपनी का लाइसेंस निरस्त कर उसे ब्लैकलिस्ट करने की चेतावनी दी है।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से गोवंश की मौत, वाहन छोड़ चालक फरार

नीमच। नीमच-मनासा मार्ग पर मंगलवार देर रात तेज रफ्तार कार ने सड़क पार कर रहे गोवंश को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल गोवंश की बुधवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। कार चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गए।

घटना नीमच सिटी थाना क्षेत्र के अंतर्गत गोपी की ढाणी के समीप हुई। चश्मदीदों के अनुसार, मनासा की ओर से नीमच शहर की तरफ आ रही कार अनियंत्रित होकर गोवंश से टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि गोवंश हवा में उछलकर दूर जा गिरा और कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में शामिल कार का नंबर आरजे 02 सीए 8138 बताया जा रहा है। इस निजी वाहन के आगे और पीछे 'डायल 112, 112 लगाओ पुलिस बुलाओ' लिखा हुआ था। चालक हादसे के तुरंत बाद कार छोड़कर फरार हो गए।

घटनास्थल पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर गौसेवक तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने गंभीर रूप से घायल गोवंश को प्राथमिक इलाज दिया और उसे 'गौ सेवा दल' की उपचारशाला ले गए। उपचारशाला में डॉक्टरों और गौसेवकों के अथक प्रयासों के बावजूद, बुधवार को इलाज के दौरान गोवंश ने दम तोड़ दिया। स्थानीय गौसेवकों ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे शहर और ग्रामीण मार्गों पर गति नियंत्रित रखें, क्योंकि रात में कम विजिबिलिटी के कारण गोवंश से टकराने की आशंका बढ़ जाती है। फिलहाल, सिटी पुलिस ने इस मामले में किसी प्रकार की शिकायत प्राप्त होने से इनकार किया है।

एक नजर — तरुण बाहेती बोले- जल संवर्धन की बात करने वाली सरकार के राज में उपेक्षित पड़ा है शहर का प्रमुख नाला, अब नपा चलाए सफाई अभियान

संजीवनी नाले में उतरे कांग्रेसजन, श्रमदान कर दिखाई पहल

नीमच। कांग्रेस के दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के बीच बुधवार को जिला कांग्रेस ने शहर के संजीवनी नाले पर श्रमदान कर स्वच्छता और जल संरक्षण का संदेश दिया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता नाले में उतरे तथा सफाई अभियान चलाकर जमा गंदगी और जलकुंभी हटाने का कार्य किया। कांग्रेस नेताओं ने इस दौरान नगरपालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि शहर के महत्वपूर्ण स्थानों की सुध नहीं ली जा रही है।

श्रमदान अभियान में पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनिल चौरसिया, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ओम दीवान, महेंद्र मोनू लोक्स, संगठन मंत्री ब्रजेश मित्तल, कांग्रेस नेत्री मधु बंसल, नेता प्रतिपक्ष योगेश प्रजापति, जिला कांग्रेस कोषाध्यक्ष ब्रजेश सक्सेना, मुकेश कालरा, राजेश जायसवाल पराग, पूर्व पार्षद इकबाल कुरैशी, राकेश सोनकर, नीतिन हसीजा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन शामिल हुए।

अभियान के दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती ने कहा कि प्रदेश सरकार जल संवर्धन अभियान चलाकर सफाई और संरक्षण की बात कर रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर हालात इसके विपरीत दिखाई देते हैं। शहर के बीचोंबीच स्थित संजीवनी नाला कभी भूजल स्तर बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता था और शहर के सौंदर्यीकरण का भी प्रमुख केंद्र माना जाता था, लेकिन लंबे समय से उपेक्षा के कारण इसकी स्थिति खराब हो गई है। नाले में जलकुंभी और गंदगी का अंबार लगा हुआ है, जिससे इसका स्वरूप प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि नगरपालिका की जिम्मेदारी होने के बावजूद नाले की नियमित सफाई नहीं कराई जा रही है। ऐसे में कांग्रेस ने जनहित को ध्यान में रखते हुए स्वयं श्रमदान कर सफाई अभियान की शुरुआत की है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नाले से कचरा और जलकुंभी निकालकर सफाई का कार्य किया तथा प्रशासन का ध्यान इस ओर आकर्षित करने का प्रयास किया। श्री बाहेती ने कहा कि कांग्रेस द्वारा प्रारंभिक सफाई कर आगे की कार्रवाई के लिए मामला नगरपालिका के सुपुर्द किया जा रहा है। अब नपा को विशेष अभियान चलाकर संजीवनी नाले की संपूर्ण सफाई सुनिश्चित करनी चाहिए तथा इसे जलकुंभी मुक्त बनाकर संरक्षित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि शहर की ऐसी धरोहरों को बचाना है तो केवल घोषणाओं से काम नहीं चलेगा, बल्कि धरातल पर ठोस कार्रवाई करनी होगी।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और इसके लिए जनभागीदारी के साथ-साथ स्थानीय निकायों की सक्रिय भूमिका भी जरूरी है। अभियान के दौरान कार्यकर्ताओं ने शहर के अन्य क्षेत्रों में भी नियमित सफाई और संरक्षण कार्यों की आवश्यकता पर जोर दिया। कांग्रेस का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो इसका सीधा असर पर्यावरण और भूजल स्तर पर पड़ेगा।